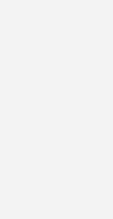
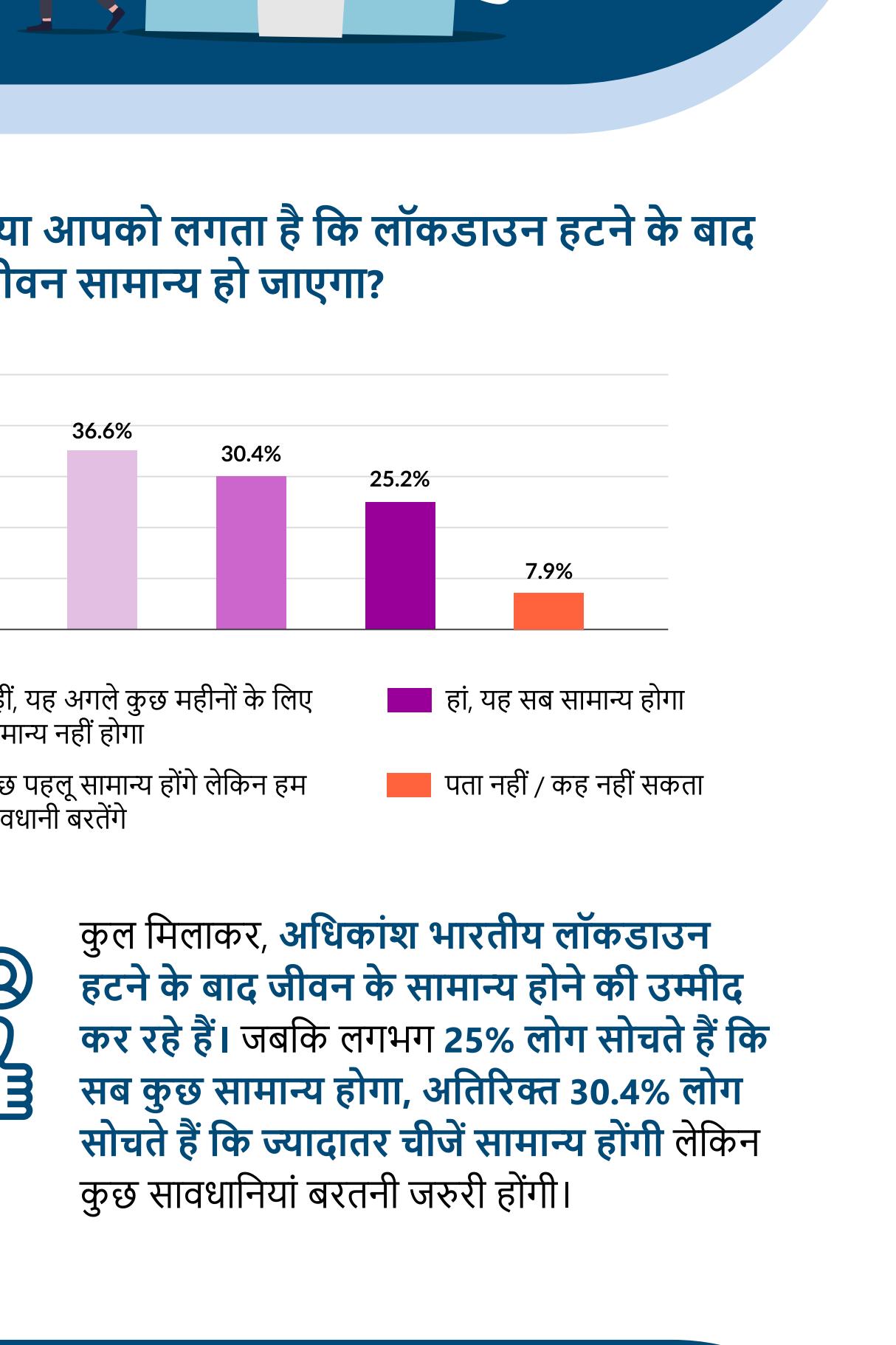


# COVID-19 पोल

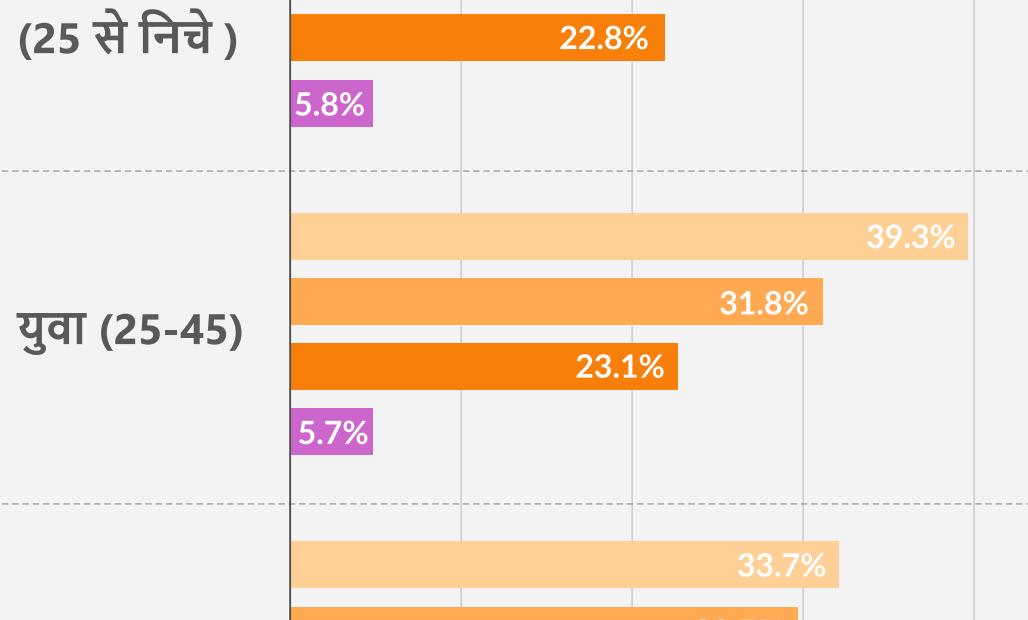
**25.2% भारतीयों का मानना है कि कोरोनावायरस लॉकडाउन हटने के बाद जीवन सामान्य स्तर पर आ जाएगा।**

टीम C-voter के द्वारा जून 2020 के पहले सप्ताह में किए गए कोरोना ट्रैकर इकोनॉमी बैटरी (तरंग 4) के सर्वेक्षण में उत्तरदाताओं का मानना है कि कोरोनावायरस संकट और लॉकडाउन के प्रभाव से उनकी आय, बचत, भविष्य के खर्च और सामान्य होने वाली चीजों की उम्मीदों पर काफी असर पड़ा है।

आज के इन्फोग्राफिक में,  
**टीम पोलस्ट्रैट ने**  
लॉकडाउन हटाए जाने के बाद "सामान्य" होने वाली चीजों के बारे में देश में स्थापित होने वाली उम्मीदों का विश्लेषण किया है।

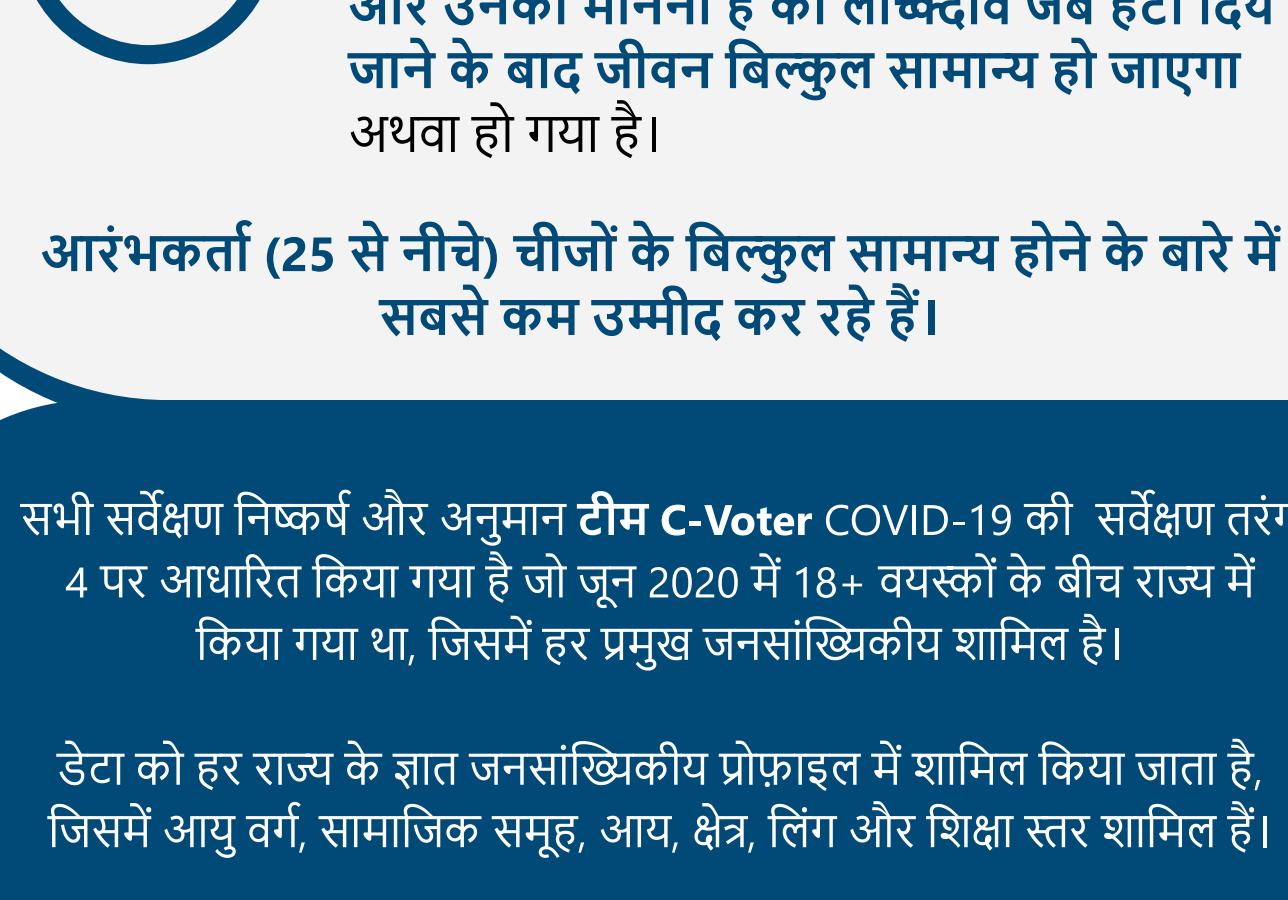


**क्या आपको लगता है कि लॉकडाउन हटने के बाद जीवन सामान्य हो जाएगा?**



कुल मिलाकर, **अधिकांश भारतीय लॉकडाउन हटने के बाद जीवन के सामान्य होने की उम्मीद कर रहे हैं।** जबकि लगभग 25% लोग सोचते हैं कि सब कुछ सामान्य होगा, अतिरिक्त 30.4% लोग सोचते हैं कि ज्यादातर चीजें सामान्य होंगी लेकिन कुछ सावधानियां बरतनी जरुरी होंगी।

## कौन से आयु समूह को सब समान्य होने की सबसे ज्यादा उम्मीद है?



**आरंभकर्ता (25 से नीचे) चीजों के बिल्कुल सामान्य होने के बारे में सबसे कम उम्मीद कर रहे हैं।**

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान टीम C-Voter COVID-19 की सर्वेक्षण तरंग 4 पर आधारित किया गया है जो जून 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्य में किया गया था, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफाइल में शामिल किया जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं।



कुल मिलाकर, **अन्य आयु समूहों की तुलना में लॉकडाउन हटा दिए जाने के बाद, वृद्धावस्था वाले लोग जीवन के बारे में बहुत अधिक आशावादी हैं और उनका मानना है कि लोच्कडोवं जब हटा दिये जाने के बाद जीवन बिल्कुल सामान्य हो जाएगा अथवा हो गया है।**

| सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:  
polstrat.com | teamcvoter.com